

भूटान के प्रधानमंत्री का बोधगया का दौरा

चर्चा में क्यों?

भूटान के प्रधानमंत्री ने [बोधगया](#) में स्थिति [महाबोधमंदिर](#) का भ्रमण किया और [भगवान बुद्ध की प्रतमा](#) के समक्ष प्रार्थना अर्पित की तथा [पवतिर बोधवृक्ष](#) के नीचे ध्यान लगाया।

महाबोधमंदिर

महाबोधमहावहार के बारे में

- **परिचय:**

- महाबोधमहावहार वह स्थल है जहाँ [गौतम बुद्ध](#) को बोधवृक्ष के नीचे [ज्ञान प्राप्त](#) हुआ था।
- मंदिर का निर्माण मूलतः सम्राट अशोक द्वारा ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में कराया गया था, जबकि विस्तृत संरचना 5वीं-6वीं शताब्दी ईस्वी की है।

- **वास्तुकला संबंधी विशेषताएँ:**

- संपूर्ण परिसर में 50 मीटर ऊँचा [मुख्य मंदिर \(वज्रासन\)](#), [पवतिर बोधवृक्ष](#) तथा [बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति से संबंधित छह अन्य पवतिर स्थल](#) शामिल हैं, जो [प्राचीन स्तूपों](#) से घेरे हुए हैं।
- यह [गुप्तकाल](#) के सर्वप्रथम सुरक्षित [ईट-निर्मित मंदिरों](#) में से एक है। [सम्राट अशोक](#) ने यहाँ बुद्ध के ध्यान स्थल को चिह्नित करने के लिये वज्रासन (हीरकासन) की स्थापना कराई थी।

- **पवतिर स्थल:**

- प्रमुख स्थलों में [बोधवृक्ष](#) (मूल वृक्ष का प्रत्यक्ष वंशज), [अनमिष लोचन चैत्य](#) (जहाँ बुद्ध ने ज्ञान-प्राप्ति के बाद ध्यान किया था) तथा अन्य संबंधित स्थल शामिल हैं।

- **मान्यता:**

- महाबोधमंदिर को वर्ष 2002 में [युनेस्को विश्व धरोहर स्थल](#) के रूप में सम्मिलित किया गया था।

गौतम बुद्ध

इन्हें भगवान विष्णु के 10 अवतारों (दशावतार) में से 8वाँ अवतार माना जाता है

जन्म

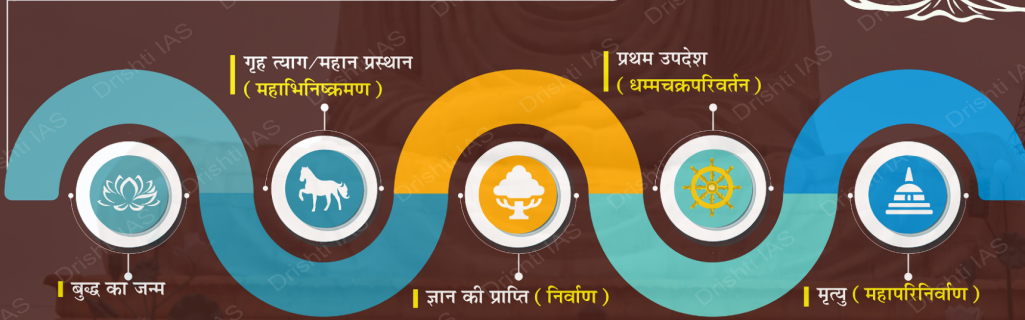
- सिद्धार्थ के रूप में जन्म (563 ईसा पूर्व)
- जन्मस्थान- **लुम्बिनी** (नेपाल)
कपिलवस्तु के निकट

माता-पिता

- पिता- कपिलवस्तु के निर्वाचित शासक;
शाक्य गणसंघ के मुखिया
- माता - **कोशल वंश** की राजकुमारी



महत्त्वपूर्ण घटनाएँ



बुद्ध ने स्वयं को **तथागत** (वह जो जैसा आया था, वैसा ही चला गया) के रूप में संदर्भित किया और **बौद्ध ग्रंथों** में इन्हें **भागवत** के रूप में संबोधित किया गया है।

समकालीन व्यक्ति

- वर्धमान महावीर
- बिम्बिसार
- अजातशत्रु

बुद्ध से जुड़े अन्य महत्त्वपूर्ण स्थल

- बोधगया (ज्ञान प्राप्ति) (ज्ञान प्राप्ति के बाद वे बुद्ध के नाम से जाने गए)
- सारनाथ (प्रथम उपदेश)
- वैशाली (अंतिम उपदेश)
- कुशीनगर (मृत्यु (487 ई.पू.) का स्थान)